ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 03-08-2021

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-08-03 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-08-04	2021-08-05	2021-08-06	2021-08-07	2021-08-08
वर्षा (मिमी)	27.0	29.0	8.0	54.0	14.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	34.0	33.0	34.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	25.0	26.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	73	75	73	76	73
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	42	43	45	52	44
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	28.0	26.0	23.0	20.0	18.0
पवन दिशा (डिग्री)	228	212	225	215	210
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	7	7	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में आसमान में बादल छायें रहने के साथ वर्षा होने की सम्भावना है। अधिकतम तापमान 33.0 से 34.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 25.0 से 26.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

जो किसान भाई नए फलों के बाग स्थापित करने के इच्छुक हैं, वह पहले से ही तैयार गड्ढों में बेर, नींबू, अनार और आंवला लगाने का उपयुक्त समय है।

लघु संदेश सलाहकार:

वर्षा की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए फसलों और सब्जियों में कीटनाशी व फफूंदनाशी का छिडकाव ना करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	बाजरा की फसल जिन क्षेत्रों में 3-4 सप्ताह की हो गई है वहॉ वर्षा के बाद फसल में नत्रजन उर्वरक की शेष मात्रा छिटक कर दें।
कपास	कपास की फसल में चितकबरी सूंडी का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण के लिए फेनवेलरेट 20 ई.सी. एक मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	टमाटर की फसल में पुष्पन अवस्था पर 30 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से वर्षा के बाद दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गाय,भैंस, बकरी, भेड इत्यादि को सीधी वर्षा से बचाव के समुचित उपाय करें एवं उनके रहने के स्थल पर पानी इकट्ठा न होने दें तथा बिछावन को सुखा रखें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	कद्दूवर्गीय सब्जियों की वर्षाकालीन फसलों की बेलों को ऊपर चढ़ाने की व्यवस्था करे। ताकि वर्षा से सब्जियों की लताओं को गलने से बचाया जा सके तथा जल निकास का उचित प्रबन्ध रखें।